न्यूज डायरी

चीन में 70 फीसद बिजली उत्पादन कोयले पर निर्भर, गहरा रहा संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन इस समय कई दशक के सबसे गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहा है। इसका दुष्प्रभाव चीन की पूरी सप्लाई चेन पर पड़ रहा है। इससे महामारी के बाद सुधार की राह पर चल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मोटे तौर पर इस संकट का कारण कोयले पर चीन की निर्भरता है। हालांकि विदेश नीति की एक रिपोर्ट में इसके लिए सरकार की नीतियों को भी वजह बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने नीतिगत स्तर पर कुछ गलत फैसले किए। साथ ही, महामारी की शुरुआत में बाजार पर पड़ने वाले असर के आकलन में भी सरकार से चूक हुई। बिजली संकट का ही नतीजा रहा कि सितंबर में चीन के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई। कोरोना के चलते लगे लाकडाउन के हटने के बाद से पहली बार इसमें गिरावट दर्ज की गई।

भारत से छात्र और टीचर्स जा सकते हैं सऊदी अरब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने मंगलवार को यात्रा प्रतिबंधों का सामना करने वाले देशों से एजुकेशन स्टाफ के सीधे प्रवेश की घोषणा कर दी है। इन देशों में भारत भी शामिल है जहां के शिक्षा कर्मचारियों को अब सऊदी अरब में सीधे प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। सऊदी प्रेस एजेंसी ने इसकी जानकारी दी और बताया कि अब कुछ विशेष श्रेणी के नागरिकों को 14 दिन किसी तीसरे देश में नहीं बिताने होंगे। सरकार के नियमों में जिन श्रेणियों को प्रवेश की अनुमति दी गई है, उनमें यूनिवर्सिटी, कॉलेज और इंस्टीट्यूट में कार्यरत फैकल्टी मेम्बर्स सबसे प्रमुख हैं। इसके अलावा सामान्य शिक्षा से जुड़े टीचर्स, टेक्निकल एंड वोकेश्नल ट्रेनिंग कॉर्पोरेशन और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के ट्रेनिंग स्टाफ और स्कॉलरशिप छात्रों को भी प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इन लोगों को किसी देश से उड़ान भरने और सऊदी अरब में प्रवेश के बीच किसी तीसरे देश में 14 दिन बिताना अनिवार्य नहीं होगा।

पहली बार दुबई में आयोजित होगा मिस यूनिवर्स यूएई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई पहली बार सुंदरता की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स यूएई कॉन्टेस्ट का आयोजन करने जा रहा है। मिस यूनिवर्स ऑर्गेनाइजेशन एंड यूगेन इवेंट ने गुरुवार को बुर्ज खलीफा के Armani Ristorante में इसकी घोषणा की। मिस यूनिवर्स यूएई के लिए आवेदन और चयन प्रक्रिया 7 अक्टूबर से शुरू होगी। सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ही इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। किसी भी नागरिकता वाले यूएई के सभी निवासी, जिनकी उम्र 18 से 20 साल के बीच है, प्रतियोगिता के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से कॉल करके कास्टिंग के लिए 15 अक्टूबर को Al Habtoor Palace होटल बुलाया जाएगा। 20 अक्टूबर को सिर्फ 30 प्रतिभागियों की घोषणा होगी जो प्रतियोगिता के लाइव शो में हिस्सा ले पाएंगी।

ब्राजील में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 6 लाख पार हुआ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एपी। ब्राजील के सबसे बड़े महानगर, साओ पाउलो में एक बार फिर से भरे हुए नजर आ रहे हैं और राजधानी में सांसदों ने जूम के माध्यम से चालू रखे हुए वीडियो सत्र को भी लगभग समाप्त कर दिया है। रियो डी जनेरियो के समुद्र तट भरे हुए हैं और सख्त शारीरिक दूरी पर केवल याद बनके रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कोरोना महामारी से खराब हुए हालात को फिर सामान्य स्थिति में लौटता हुए दिखाता है। यहां तक कि महामारी से मृत्यु भी 600,000 के आंकड़े से ऊपर पहुंच गई है। देश कोविड–19 मामलों और मौतों दोनों में राहत का स्वागत कर रहा है और जश्न के मूड में है। हालांकि, विशेषज्ञों की डेल्टा संस्करण को लेकर चेतावनी है, जिसमें कहा गया है कि वह अधिक खतरे को दिखाता है व देश में विनाश की एक और लहर पैदा कर सकता है।

इमरान खान और सेना के बीच विवाद की वजह आईएसआई चीफ

खुलासा

पाकिस्तानी पत्रकार ने किया पाक पीएम और सेना के बीच कलह का खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख फैज हमीद का बीते दिनों सेना ने तबादला कर दिया। इस फैसले ने सभी को चौंका दिया क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के गठन में उन्होंने अहम और सफल भूमिका निभाई थी। फैज हमीद को अब पेशावर कोर का कमांडर बनाया गया है। आईएसआई की कमान अब लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम के हाथ में है। पाकिस्थान में खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री की ओर से की जाती है। परंपरा के अनुसार प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सेना प्रमुख की सलाह से इस शक्ति को उपयोग करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इस फैसले से खुश नहीं हैं।

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार नजम सेठी ने खुलासा किया है कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना से कहा कि वह आईएसआई प्रमुख को बदलने के फैसले के साथ नहीं थे। इमरान खान का मानना है कि लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद की पेशावर कोर कमांडर के रूप में पोस्टिंग और जनरल नदीम अंजुम की नई डीजी आईएसआई के रूप में नियुक्ति की घोषणा पीएम आवास से आनी चाहिए। क्योंकि पाकिस्तान के संविधान के अनुसार पाकिस्तान के पीएम को इसका अधिकार हासिल है।

इस्लामाबाद के बजाय रावलपिंडी से आई विज्ञप्तिः सेठी ने खुलासा किया कि नई नियुक्तियों की घोषणा करने वाली प्रेस विज्ञप्ति रावलपिंडी से आई न कि इस्लामाबाद से। उन्होंने कहा कि सूत्रों का कहना है कि इस मामले पर इमरान खान के रुख से तनाव पैदा हो गया था। इसी वजह से नियुक्तियों की अधिसूचना पर साइन नहीं किया गया है। आईएसपीआर ने तबादलों की घोषणा कर दी लेकिन पीएम हाउस की ओर इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई और यह देरी असामान्य थी। अब यह सामने आया है कि इस फैसले से इमरान खान और सेना के बीच तनाव पैदा हो गया है।

तबादले के बाद भी मीटिंग में पहुंचे फैज हमीदः नजम सेठी का दावा है कि स्थिति को काबू में करने के लिए शुक्रवार रात से ही बैठकें हो रही हैं लेकिन इमरान खान जिद पर अड़े हुए हैं। इमरान खान की ओर से बुलाई गई राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद की उपस्थिति भी असामान्य थी। बैठक में उन्हें देखकर लोगों को हैरानी इसलिए हुई क्योंकि उनके तबादले के आदेश जारी किए गए हैं लेकिन उन्होंने डीजी आईएसआई के रूप में मीटिंग में हिस्सा लिया। पाकिस्तानी पत्रकार का कहना है कि इस तरह का तनाव अक्सर सेना और सरकार को ऐसे रास्ते पर ले जाता है जहां से वापसी संभव नहीं होती।

क्या काबुल यात्रा की चुकाई कीमत उन्होंने कहा कि आईएसपीएस और पीएस हाउस दोनों ही खामोश हैं। तनाव को कम करने के लिए कुछ कैबिनेट के सदस्य भी बीच में आए हैं लेकिन फिलहाल कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

गद्दार था अशरफ गनी और बेकार यूएस–तालिबान की डील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला का कहना है कि तालिबान और अमेरिका के बीच समझौता शांति के मुद्दे पर बेहद कमजोर था। उन्होंने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी को देशद्रोही करार दिया है। तालिबान के काबुल में दाखिल होने से कुछ देर पहले ही अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए थे। वह पहले ताजिकिस्तान गए और फिर दुबई में श्मानवीय आधार पर शरण ले ली।

अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने कहा कि हमारे सिस्टम में कई तरह की खामियां थीं, एक के बाद एक गलत चुनाव, गनी का लोगों पर भरोसा न करना और उनके और नेतृत्व के बीच अविश्वास, भ्रष्टाचार कुछ ऐसे कारक थे जिनके कारण देश आज की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका ने दोहा समझौते के तहत तालिबान के साथ एक समझौते पर साइन किए तो शांति उसका सबसे कमजोर हिस्सा थी। तालिबान के कब्जे के बाद भी अब्दुला काबुल में हैं। पूर्व अफगान राष्ट्रपति को लेकर उन्होंने कहा कि देश छोड़कर भागने का मतलब है अशरफ गनी जैसे देशद्रोहियों में शामिल होना, जो मैं मरते दम तक नहीं करूंगा। अब्दुला ने कहा, मुझे अफगानिस्तान में रहने का कोई अफसोस नहीं है।

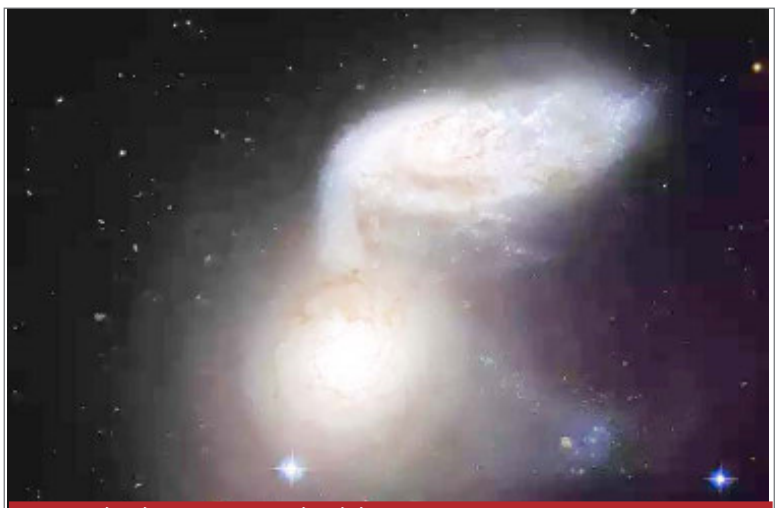

एक–दूसरे में मिल रहीं दो गैलेक्सीज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। ब्रह्मांड में ऐसी कई घटनाएं होती हैं जो देखने में किसी खूबसूरत कलाकारी से कम नहीं लगतीं। ऐसा ही कुछ होता है जब दो गैलेक्सीज एक–दूसरे में मिल जाती हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और यूरोपियन स्पेस एजेंसी ESA के हबल स्पेस टेलिस्कोप ने इंस्टाग्राम पर ऐसी तस्वीर शेयर की है, जिसमें दो गैलेक्सीज एक–दूसरे में उलझी हुई दिख रही हैं। ये दोनों इस तरह एक–दूसरे जुड़ी हुई हैं कि इन्हें एक नाम दिया गया है – Arp 91। यह नजारा है धरती से 10 करोड़ प्रकाशवर्ष दूर।

यूएनएससी ने अफगानिस्तान के मस्जिद में हुए हमले की निंदा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान के एक शिया मस्जिद में हुए हमले की निंदा की है। बीते दिन उत्तरी कुंदुज प्रांत में हुए घातक हमले की निंदा करते हुए परिषद ने कहा कि अपराधियों, आयोजकों, फाइनेंसरों और आतंकवाद के प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता है।

बता दें कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने 8 अक्टूबर 2021 को अफगानिस्तान केकुंदूज में हुए नृशंस और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए यह

बयान दिया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने फिर से कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

बता दें कि अफगानिस्तान के कुंदूज शहर स्थित मस्जिद के भीतर हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ने ली है। इस हमले में 80 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। शुक्रवार को दोपहर के समय जब विस्फोट हुआ तब इलाके में रहने वाले शिया मुसलमान बड़ी संख्या में नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में आए हुए थे। तेज आवाज के साथ हुए विस्फोट के बाद मस्जिद धुएं से भर गई और चीख–पुकार मच गई। धुंआ छंटने पर जब आसपास के लोग मस्जिद के भीतर पहुंचे तो खून से रंगी धरती पर मानव अंग बिखरे पड़े थे, तमाम घायल मदद के लिए लोगों को पुकार रहे थे।

अफगान में काबिज होने के बाद तालिबान के साथ अमेरिका की पहली वार्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अफगानिस्तान से वापसी के बाद पहली बार अमेरिका और तालिबान के बीच वार्ता होने वाली है। बताया जा रहा है कि अफगानिस्तान से निकलने की चाह रखने वाले विदेशी नागरिकों व अफगान नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए अमेरिका ने इस मुलाकात का फैसला लिया है। इस क्रम में शनिवार और रविवार को अमेरिकी अधिकारी तालिबान के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे।

दोहा में होने वाली इस वार्ता का फोकस अफगानिस्तान के तालिबानी नेताओं से इस बात पर मुहर लगवानी है कि वे अमेरिकियों और अन्य विदेशी नागरिकों को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकासी की इजाजत देंगे। इनमें वे अफगान के नागरिक भी होंगे जिन्होंने काबुल में अमेरिकी सेना के लिए काम किया है। नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया, हम महिलाओं और लड़कियों सहित सभी अफगानों के अधिकारों का सम्मान करने और व्यापक समर्थन के साथ एक समावेशी सरकार बनाने के लिए तालिबान पर दबाव डालेंगे।